

04.12.17

पत्रावली पेश हुई। वादी-अधिकार उरण  
वादी/धारा प्रस्तुत सम्पन्न जारी है। पत्रावली दर्ज  
रजिस्टर की जाकर प्रतिवादी भण्डों की तमील  
हुए पत्रावली दिनांक 29/12/2017 को पेश हो।

6262-70  
6/12

उप खण्ड अधिकारी  
जयपुर (प्रथम), जयपुर

आज दिनांक 29.12.17 को पत्रावली पेश हुई  
पी.ओ.सा. अवकाश/अन्य राजकार्य पर/कंडोलेस है।  
अतः पत्रावली पूर्वानुसर दिनांक 04.1.18 को पेश हो।  
(02606 की कोर से श्री कपिल कुमार शर्मा Adv.  
द्वारा वकालतनाम पेश किया गया था-मिलान)

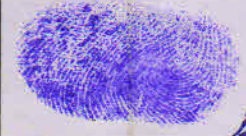
आज दिनांक 04.1.18 को पत्रावली पेश हुई  
पी.ओ.सा. अवकाश/अन्य राजकार्य पर/कंडोलेस है।  
अतः पत्रावली पूर्वानुसर दिनांक 09.1.18 को पेश हो।

आज दिनांक 09.1.18 को पत्रावली पेश हुई  
पी.ओ.सा. अवकाश/अन्य राजकार्य पर/कंडोलेस है।  
अतः पत्रावली पूर्वानुसर दिनांक 11.1.18 को पेश हो।

11.01.18

पत्रावली पेश हुई। वकालत फरीमिन उरण  
वादिना स्वयं लखना व मनी का पुत्र कोर्ट  
व विपरीत उनको अधिकार तथा प्रतिवादी  
- गण 078 की कोर से श्री पवन कुमार शर्मा  
Advocate तथा प्रतिवादी 01 की कोर से श्री  
श्रीपाल सुन्दर सण्डेलवाल Adv. द्वारा वकालत  
- नाम प्रस्तुत किये गये। वादिना की पहचान  
उनके अधिकार धारा की तमील व पत्रावली  
की कोर से एक राजीनामा प्रस्तुत किया  
गया/पक्षर जो कि न्यायालय में उपस्थित  
किये उनकी कोर से यह निकाल किया

कोर्ट



Identified by Pt. M. J. Sanyal



गण  
A

# फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

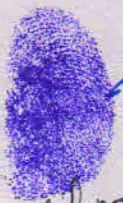
380 Jamm  
JPR  
मन्नी

गोपीराम

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
-------------	---------------------------	----------------------	-------------


वे साक्षर

प्रभु  
श्री. रामा  
दोह

नि.    
Identified by  
me  
Ashwani

दीपक  
Identified by  
by  
श्री. रामा

गया कि वह पुत्राधिक राजीनामा के अनुसार  
पक्षकारों के मध्य राजीनामा होने की वजह  
से वह अब कोई वाद-पत्र को जारी नहीं  
चलावा चाहते हैं। राजीनामा प्रार्थना-पत्र  
के साथ दस्तावेज भूची के साथ दस्तावेज  
पत्र शामिल मिल रहे। न्यायालय द्वारा  
प्रस्तुत प्रार्थना पत्र राजीनामा के उपलोकन  
तथा मोरिनक निवेदन के आधार पर राजीनामा  
जा.पत्र स्वीकार किया जाता है तथा कोर्ट  
गण को न्यायालय में विचारणीय वाद को  
पुत्राधिक राजीनामा निरस्तारित किया जाता है।  
राजीनामा जा.पत्र शा.मिल रहे। पत्रावली  
मैशाल-शुभार, मध्य से कर खेतर गरि ल  
वापर हो। निर्गम से ईश्वर पुत्रा गणा

  
जय लाल अधिकारी  
साधपुर (प्रथम), जयपुर

शांतिमल

11-01-18  
मन्नी वगै.

बनाम

गोपीराम वगै.

राजीनामा

श्रीमान् जी

पक्षकारान का राजीनामा निम्न प्रकार प्रस्तुत हैं :-

कजोड



नि. लक्ष्मी

- यह है कि ग्राम मालपुरा डूंगर पटवार क्षेत्र सुमेल तहसील व जिला जयपुर में खसरा नं. 62/119 रकबा 3 बीघा 2 बिस्वा भूमि, खसरा नं. 48 रकबा 16 बिस्वा भूमि, खसरा नं. 53 रकबा 1 बीघा 18 बिस्वा भूमि, खसरा नं. 57 रकबा 1 बीघा 2 बिस्वा भूमि, खसरा नं. 55 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नं. 60 रकबा 5 बीघा 18 बिस्वा भूमि स्थित है।



श्रीमान्

के लार विठु  
प्रभु

- यह है कि खसरा नं. 62/119 रकबा 3 बीघा 2 बिस्वा भूमि लाद्या वल्द जयकिशन के नाम खातेदारी दर्ज थी। खसरा नं. 48 में रकबा 16 बिस्वा, खसरा नं. 53 में रकबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नं. 57 रकबा 1 बीघा 2 बिस्वा लाद्या व जगन्नाथ पुत्रान जयकिशन के नाम खातेदारी दर्ज थी। खसरा नं. 55 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नं. 60 रकबा 5 बीघा 18 बिस्वा लाद्या व जगन्नाथ पुत्रान जयकिशन हिस्सा बराबर 1/2 व

श्रीमान्

श्रीमान्

दीठ



दीठ

दीपचन्द शर्मा

मूल्या पुत्र नारायण हिस्सा 1/2 के नाम खातेदारी दर्ज थी। लादया का देहान्त हो गया। लादया की मृत्यु के पश्चात लादया के तीन पुत्र व दो पुत्रियां एवं लादया की पत्नि उनके वारिसान मौजूद थे। जो क्रमश बालू, गोपीराम व रामू, मन्नी, नारायणी व लादया की पत्नि सुन्दरी थे। इनमें से भी बालू, रामू, नारायणी, सुन्दरी का देहान्त हो गया। बालू के वारिस कैलाश, प्रभु, रमेशचन्द उर्फ काल्या, छोटू व नर्बदा है। रामू का देहान्त वर्ष 2012 में हो गया जिसके कोई सन्तान नहीं है। नारायणी का देहान्त वर्ष 2010 में हो गया जिसके वारिस गोपाल व दीपचन्द उर्फ दीपू है। सुन्दरी के देहान्त वर्ष 1999 में हो गया। लछमा सुन्दरी की अंतिम इच्छा से वसीयती अधिकारी है। इस प्रकार लादया की मृत्यु के पश्चात उसकी सम्पत्ति के 6 हिस्सेदार वारिस है। इनमें से मन्नी व लछमा ने अन्य वारिसान के विरुद्ध घोषणा का वाद पेश किया है। लादया की वारिसान के मध्य परिवारजन व रिश्तेदारान ने राजीनामा करवा दिया है। जिससे सभी पक्षकारान पाबन्द रहेंगे।

कैलाश



कैलाश



गोपीराम

रामू

रामू

सुन्दरी

यह है कि रामू ने अपने हिस्से के सम्बन्ध में बालू के पुत्रान कैलाश, प्रभु, रमेशचन्द उर्फ काल्या, छोटू, नर्बदा के हिस्सा 1/2 एवं गोपी के पुत्रान नानगराम, दयाल, कानाराम, बाबूलाल, विनोद को हिस्सा 1/2 का वसीयती अधिकारी घोषित किया है इसमें किसी भी पक्षकारान को आपत्ति नहीं है।

छोटू

नर्बदा

दीपचन्द राव

ख- यह है कि गोपी के नाम दर्ज भूमि में एक बहिन का हिस्सा दर्ज हो गया है। गोपी के हिस्से में से नारायणी के हिस्से की भूमि उसके पुत्रान गोपाल व दीपचन्द के नाम खातेदारी इन्द्राज कराने के अधिकारी है। इस प्रकार गोपी के नाम इन्द्राज हिस्से में से 1/2 हिस्से में गोपी व 1/2 हिस्से में गोपाल व दीपचन्द्र स्वामी व अधिकारी है। राजस्व रिकार्ड में इसी अनुरूप इन्द्राज करवाया जा सकेगा।

ग. यह है कि सुन्दरी का हिस्सा बालू, गोपी, रामू के हिस्से में बराबर बराबर इन्द्राज है। इसमें वादिया लछमा अपने अधिकारों का परित्याग करती है। सुन्दरी के हिस्से बाबत पूर्व में इन्द्राज अब किसी को कोई एतराज नहीं है।

घ. यह है कि बालू के हिस्से में एक बहिन का हिस्सा शामिल है। किन्तु बालू के वारिसान ने वादिया मन्नी को उसके हिस्से की भरपाई अन्य रूप में कर दी है। अब वादिया मन्नी अपने हक का परित्याग बालू के वारिसान के हक में कर रही है। इसमें अब मन्नी को कोई आपत्ति नहीं है व शेष पक्षकारान को भी कोई आपत्ति नहीं है।

5. यह है कि गोपी ने अपने जीवनकाल में ही लादया व सुन्दरी की पैतृक भूमि का बटवारा कर दिया था व अपनी संतान के हिस्से का कब्जा लछमा को सम्भला दिया था अब पारिवारिक सेटलमेन्ट दिनांक 6.11.2000 को मुताबिक राजस्व रिकार्ड में हिस्सा 1/8 के अनुरूप बराबर

दि १० नवंबर

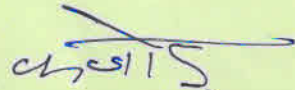
दीपचन्द राम

बराबर से इन्द्राज करवाने के अधिकारी है।

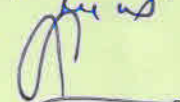
च. खर्चा पक्षकारान अपना अपना वहन करेंगे।

अतः राजीनामा प्रस्तुत कर निवेदन है कि राजीनामा के मुताबिक राजस्व रिकार्ड में इन्द्राज करने के आदेश प्रदान करें।


प्रार्थीगण (बारीगण)

  
(मुल्लपारश्राम भट्ट)

प्रार्थीगण/उत्तरदाता

Identified by  


 नि. लक्ष्मण

Identified by  
(M)   
Acho

Identified by me



को लाराधन  
प्रभ

~~बराबर~~

दोड़

दीपक शर्मा  
Identified by  
